



नारीलोक

लिरवें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंक 270

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंच महिला मंडल, लाडनू (राजस्थान)

जनवरी 2021

नूतन वर्ष 2021 के शुभागमन
पर हार्दिक शुभकामना





ऊर्जावाणी



नैतिक वाणी

अतीत की स्मृति होती है, उसे विस्मृत किया जा सकता है। भविष्य की कल्पना होती, उससे आकर्षण तोड़ा जा सकता है। पर आज की उपेक्षा संभव नहीं है। आज हमारे जीवन का वह पड़ाव है, जो हमें निरन्तर जोड़कर रखता है। करणी को कल पर मत छोड़ो, आज ही करो।

आचार्य श्री तुलसी



प्रेक्षा रश्मियां

जीवन की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण सूत्र है – विधायक दृष्टि से सोचना। विधायक दृष्टि से वही व्यक्ति सोच सकता है जिसने ध्यान का मर्म समझा है, जिसने चित्त को निर्मल करना सीखा है, जिसने मन को एकाग्र करना सीखा है, जिसने राग द्वेष को साफ करना सीखा है। विधायक दृष्टि से चिन्तन करने वाला व्यक्ति सचाई के पास पहुँच जाता है और वह अनेक समस्याओं का समाधान पा लेता है।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ



अनमोल आशीर्वाद

वर्ष आता है, चला जाता है।
इसमें कोई खास बात नहीं।
खास बात यही है कि हर वर्ष,
आदमी के विकास का कालमान बनें।।

मनुष्य में जितनी क्षमता होती है उतना उसका उपयोग नहीं होता। उसका एक कारण है संकल्प का अभाव। कल्पना जब तक कल्पना रहती है वह संकल्प नहीं बनती। जब वह स्थिरता और निश्चिंतता तक पहुँच जाती है तो संकल्प बन जाती है। संकल्प एक शक्ति है। उसका प्रयोग रचना और विध्वंस दोनों में किया जा सकता है। यह व्यक्ति के विवेक पर निर्भर है कि वह उसका उपयोग किस दिशा में करता है। दृढ़संकल्पी के लिए दुष्कर कुछ नहीं होता।

आचार्य श्री महाश्रमण



नैतिक दिशाबोध

नैतिक उन्नति का आधार है नैतिक विचार। विचार का प्रभाव आचार पर होता है और आचार विचार से पुष्ट होता है। विचार और आचार दोनों की पवित्रता के लिए संकल्प शक्ति को विकसित करने की आवश्यकता है। संकल्प शक्ति का विकास होने से ही विचार आचार में प्रतिबिंबित होता है। अणुव्रत अतीत की स्मृतियों और भविष्य की कल्पनाओं से मुक्त होकर वर्तमान को नीतिमान बनाने का दर्शन होता है। फिर दर्शन को आधार मानकर चलने से ही जीवन के मरुस्थल में नैतिक ताप की लहर आती है।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

संकल्पों के नए साल का द्वागत

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र,

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। समय चक्र की सूझियां पुनः एक वर्ष की सम्पन्नता की सूचना दे रही है। दौड़ता वक्त 2020 के मुकाम पर ले रहा है विराम, आतुर है नये वर्ष के साक्षात्कार के लिए। इसी के साथ हिलोरें ले रही है नई उमंगें, नया उत्साह, नए झरादे। नए साल की शुरुआत पर कुछ नया सोचें, नया लिखें, नया कहें, नया रचें। अतीत की झलकियां व भविष्य की कल्पनाओं के बीच वर्तमान को सुनहरा बनायेंगे इसी आशा और विश्वास के साथ अगवानी करे नए साल 2021 की। बीते साल व गुजरे वक्त कोविड 19 महामारी के कड़वे अनुभवों के मूल्यांकन के साथ शुरू करें संवर्धन की यात्रा। कामना करें यह वर्ष सबके लिए शुभकारी हो, मंगलकारी हो। तप, जप, रवाध्याय, ध्यान के साथ ऐसे कुछ संकल्प लें जो हमारे जीवन की दशा और दिशा बदल दे, सफलता की इबादत लिख दे। गहरी श्रद्धा के साथ हम जो भी निश्चय करते हैं उसके आधार पर ही हमारा कल बनता है तो क्यों नहीं नौ मंगल भावना से खुद को भावित कर ज्ञान, दर्शन, चारित्र की उत्कृष्टता को प्राप्त करने का प्रयास करें-

सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ने के लिए संकल्प की पगड़ंडिया आवश्यक है क्योंकि पगड़ंडियों के अभाव में सफलता की सीढ़ी पर चढ़ना असफलता से मुलाकात जैसा ही है। सफलता का मूलमंत्र संकल्प को ढूँढ़ता से अपनाना व इच्छा शक्ति को जगाए रखना। लोगों में शक्ति सामर्थ्य का अभाव नहीं होता, उनमें इच्छा शक्ति का अभाव होता है। बीते समय में जाकर नई शुरुआत नहीं का जा सकती। यह शुरुआत आज से ही करें।

नए जोश, नए उत्साह के साथ आया नूतन वर्ष।

नए संकल्पों को मूर्त आकार देने आना नूतन वर्ष।

श्री सम्पन्नोऽहंरच्याम् - भौतिक दृष्टि से मैं धन सम्पन्न बनूं और आध्यात्मिक दृष्टि से मैं आभा संपन्न बनूं।

ही सम्पन्नोऽहंरच्याम् - मैं लज्जा सम्पन्न बनूं अथवा आत्मानुशासन से सम्पन्न बनूं।

धी सम्पन्नोऽहंरच्याम् - मैं बुद्धि सम्पन्न बनूं और मैं प्रज्ञा सम्पन्न बनूं।

दृति सम्पन्नोऽहंरच्याम् - मैं दृर्य सम्पन्न बनूं।

शक्ति सम्पन्नोऽहंरच्याम् - मैं शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक शक्ति सम्पन्न बनूं।

शांति सम्पन्नोऽहंरच्याम् - मैं शांति सम्पन्न बनूं।

नंदी सम्पन्नोऽहंरच्याम् - मैं आनन्द सम्पन्न बनूं।

तेजः सम्पन्नोऽहंरच्याम् - मैं तेज सम्पन्न बनूं।

शुक्लः सम्पन्नोऽहंरच्याम् - मैं पवित्रता से सम्पन्न बनूं।

हम परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण के आशीर्वाद से यथार्थता की तलाश का प्रयास करें। चिराग बन आत्म जगत के अज्ञान तिमिर को दूर भगाएँ। हमारी मातृ हृदया असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री जी समय-समय पर फरमाते हैं कि - “नारी शक्ति आत्म विश्वास से आत्म विकास के लिए सतत् जागरूक व प्रयत्नशील बनें। किसी भी कार्य की असफलता को अन्तिम हार न मानें और नेपोलियन बोनापार्ट की तरह किसी कार्य को अंसभव न मानें।”

परन्तु कठिनाई है कि व्यक्ति नए और पुराने का समन्वय करना नहीं जानता और जो समन्वय नहीं करना जानता वह बहुत सारी अच्छाईयों से वंचित रह जाता है। पुराना सब खराब या अच्छा नहीं होता, न ही नया सब खराब या अच्छा होता है। संयम, त्याग, तपस्या और अहिंसा ये बहुत पुराने तत्व हैं पर आज भी उतने ही उपयोगी व सार्थक हैं। इन्हें छोड़कर हम मानवीय संवेदना को सुरक्षित नहीं रख सकते। ये शाश्वत सत्य हैं, शाश्वत सत्य का अर्थ है कि जो कभी पुराना नहीं होता और जो कभी नया नहीं होता।

भोग भी चाहिए, उपभोग भी चाहिए, संयोग भी चाहिए। सामाजिक जीवन में ये सब आवश्यक तत्व हैं। किन्तु सबके साथ सीमा और संयम होना चाहिए।

नए साल पर हर कोई संकल्प संजोता है कुछ दिन निभाता है फिर भूल जाता है। यदि अपनी जिन्दगी को खुशनुमा बनाना है तो नजरिये को थोड़ा बदलना होगा। दृढ़तापूर्वक संकल्पों को निभाना होगा। इस नववर्ष 2021 में सारे कार्य इकीरण हो, इन्हीं मंगलभावनाओं के साथ।

यूं तो नया साल हर साल आता है
बीते हुए साल की कुछ यादें भी लाता है
पर ऐसा लगता है
बीता साल कुछ अलग सा आया
कोविड 19 का बुरा रहा साया
कुछ ने बहुत सहा, कुछ को सहलाया
ऐसा लगता है
सन् 2021 लाया है समझदारियां
कुछ निभाई गई और कुछ
बाकी रह गई जिम्मेदारियां
ऐसा लगता है
समझा गया धर्म, कर्म का दर्शन
गरीबों की सहायता के लिए विराजन
अब आ गई है वैक्सिन, सब है प्रसन्न
ऐसा लगता है
नववर्ष लाया है उम्मीदों की नई किरण
देव, गुरु, धर्म की मिल रही है शरण
तप-जप निर्जरा में गतिमान रहे ये चरण
ऐसा लगता है
ऐसे संकल्प लें कि इतिहास नया रच पाए
ठेंडे ऐसा संगीत की पूरी दुनिया साथ गाएं
नारी शक्ति 2021 में खुशियों का पैगाम लाएं।

आपकी
पुष्पकैद

नव वर्ष हमारे लिए एक नया संदेश लेकर आया
 Happy New Year नया वर्ष मुबारक हो
 कोरोना के संग बीता 2020, मंगल हो नूतन वर्ष 2021
 जगे सबके मन में उमंग, सब हिलमिल बैठे एक संग।
 अब छंटे कोरोना का कुहासा, फलित हो सबके मन की आशा
 तन में आरोग्य सदा मन में, कर्खणा की निर्मल धार बहे
 वाणी में मृदुता सबके साथ, सरल सीधा व्यवहार रहे।
 पग-पग पर हो आनन्द उल्लास, सफलता रहे सतत
 हर स्थिति में आशा बनी रहे, न हो कभी निराशा का साया।
 जिसने अपना मन साथ लिया, समझो उसने बहुत कुछ पाया
 जो मिला उसे क्यों कम आंके, जो नहीं मिला तो गम कैसा
 जीवन का हर पल सार्थक हो, बस रहे सदा उद्धम ऐसा
 स्वरूप प्रसङ्ग रहे जीवन भर, फले मनोरथ सोचे वैसा
 हम नेह नीङ बने अपनी संरथा की, जो जीवन को आलोकित करे।
 अपनी रनेहिलता से सबके मन में, गुरु भक्ति का दिन आया यह
 नव वर्ष की शुभ बेला में हर पल को हम सार्थक कर दें।

इन्हीं मंगल भावनाओं के साथ

शान्ता पुगलिया

प्रधान ट्रस्टी, आ.भा.ते.म.मं.

For last year's words belong to last year's language... and next year's words await yet another voice... what we call the beginning is often the end and to make an end is to make a beginning!!! Let's forget the bad things of 2020... lets welcome 2021 with lots of hope, positivity and resolutions!! We all need a fresh start every year. It's important that we go into the new year with an open mind and a new way of thinking positives in negatives . Young women was sitting at a dining table worried about taxes to be paid, house work to be done and to top it all ,her family was coming over for Thanksgiving the next day. She was not feeling well thankful at that time. She turned her gaze sideways, she noticed her young daughter scribbling furiously into her notebook. "My teacher asked us to write a paragraph on Negative Thanksgiving for homework today." Said the daughter. She asked us to write down things that we are thankful for things that make us feel not so good in the beginning but turn out to be good after all. With curiosity, the mother peeked into the book ,this is what her daughter wrote... I am thankful for final exams because that means school is almost over... I am thankful for bad tasting medicine because it helps me feel better... I am thankful for waking up to alarm clocks because it means I am still alive! It then dawned on the mother that she had a lot of things to be thankful for!!!She thought again.. she had to pay taxes that meant she was fortunate to be employed... She had house work to do but that meant she had their own home to live in... she had to cook for her family for Thanksgiving but that meant she had a family with whom she could celebrate !!MORAL-We generally complain about the negative things in life but we fail to look at the positive side of it. In this new year let's ponder...what is the positive in our negatives?? Look at the better part of life today and make your everyday a great day .Feel I am happy and I am blessed. ... don't go into the new year holding a grudge from last year. Leave the hurts and disappointments behind. So no matter what comes your way today, tomorrow, next week or next year, for that matter understand that you have in you ..what it takes to overcome it!! The New Year symbolises the ending of one year and the beginning of yet another. We celebrate this event ,yet it is only a moment in time like any other day ...BUT it is also considered a time when New Beginnings can happen!! Be determined to have a happy new year

CA Taruna Bohra, Gen.Secretary
Akhil Bhartiya Terapanth Mahila Mandal

ए जाते हुए वक्त मेरा सलाम लेता जा...
 खुशियों के दरस्तावेज़ पे मेरा नाम लेता जा ...
 तूने हर क्षण हिम्मत और ढृढ़ता दी है ...
 आने वाले वक्त के नाम पैगाम मेरा लेता जा ॥
 नव वर्ष की नवल रश्मियों से ज्योतित होगी भोर,
 सत्यम, शिवम, सुंदरम की शुभ्रता फैलेगी चहुँ ओर,
 नव सृजन के उत्साह से रहें सदा सराबोर,
 कर्तव्यों का पालन करते कदम बढ़े प्रगति की ओर,
 सुख शांति के शांत अहसास से रहें सदा भाव-विभोर॥

नीलम सेठिया
उपाध्यक्ष

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

एक पर्व की भाँति एक और नया वर्ष आ गया। उत्साह, जोश, जुनून की नई करवट के साथ। बीते वर्ष के कुछ अनचाहे लम्हों को विसरा कर अब हम फिर से एक नए निरामय भोर का स्वागत करें, नई किरणों की चैन भरी उजास का आनंद लें और नए सपनों में नया रंग भरें। इस नव वर्ष पर हम एक ऐसा चित्र उकेरे जिसमें शकुन हो, ही धी धृति की श्री का समावेश हो, शक्ति और शान्ति का झारना सबको तृप्त करे और सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु का वरदान फलीभूत हो। स्वर्णिम सूर्योदय के मंगल अभिषेक के शुभ भावों के साथ,

सरिता डागा
उपाध्यक्ष

प्रिय बहनों,
 बीत गया जो साल, भूल जाएं, इस नये साल को गले लगाएं,
 करते हैं हम दुआ रब से, सर झुका के, इस साल के सारे सपने पूरे हो आपके,
 मायुसी रहे आपसे कोसों दूर, सफलता और खुशियां मिले भरपूर,
 पूरी हो आपकी सारी आशाएं, आने वाले नववर्ष की आपको ढेरों शुभकामनाएं।।
 बहनों, वीर प्रभु से यही प्रार्थना करती हूँ कि वर्ष 2021 सभी के लिए इककीस हो। 2021 सबके लिए दुगुनी खुशियां सफलता लेकर आये। जो बीत गया उसके बारे में सोचने की अपेक्षा आने वाले अवसरों का स्वागत करें और नई उम्मीदें, नये लक्ष्य, नये आइडियाज के साथ इस नववर्ष का स्वागत करें।

रंजू लुणिया, कोषाध्यक्ष

नव वर्ष, नई उम्मीद, नये संकल्प, नये सपनों और साथ ही अतीत के अवलोकन का भी वर्ष।

वर्ष 2020 हमारे सामने अनेक प्रश्नचिन्ह खड़े करके गया और साथ ही कई सीख देकर भी गया। गुजरे वर्ष ने हमें सिखाया कि हमारी आवश्यकताएं कम हैं और इच्छाएं असीमित। कम आवश्यकताओं से भी जीवन यापन हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा - 'विवेके धम्महिए', 'संयम खलु जीवनम्'। आइये अतीत को एक सीख बनाएं, भगवान के संयम और विवेक के सूत्र को अपनाएं। हम उन भूलों को न दोहराएं जो हमारे आने वाले कल के लिए खतरा बनें। अपनी आकांक्षाओं को उतना ही अवकाश दें जितना आवश्यक है।

हर घटना एक प्रेरणा है। अपेक्षा है जागती आंखों से उसे देखने की और जीवन को नया परिवर्तन देने की। नव वर्ष सभी के लिए मंगलमय बने यही मंगलकामना।

मधु देरासरिया, सहमंत्री

नव वर्ष के आगमन पर, शुभ भावों के थाल सजाएं। संकल्पों की नई फसल पर, श्रम के नए पुष्प खिलाएं। बीते कल की समीक्षा कर, भविष्य के नव स्वपन बुनें। प्रभावशाली व्यक्तित्व बना, निर्माण के नव इतिहास रखें।।

शुभ वर्ष 2021, लाएं खुशियों की सौगात, गुरुदेव के भीलवाड़ा पदार्पण पर, पूरी होगी मन की आस।। नव वर्ष के मंगल प्रवेश पर मंगलकामना, शुभकामना।

नीतू ओस्तवाल, सहमंत्री

नया साल है, नयी उमंग, नयी आस है, जीवन में। नयी सोच है, नयी तरंगें, प्रगति करनी है जीवन में।। रवस्थ बने जीवन की शैली, मिटे कलुषता है जो मैली। सीखें चीज़े कुछ नई नवेली, हल कर सकूँ हर कठिन पहेली।। शुभ भावों की हो अभिवृद्धि, विकसित हो ज्ञान और बुद्धि। नव वर्ष की नवल प्रभा में, हर क्षण हो आत्मा की शुद्धि।।

निधि सेखाणी, प्रचार प्रसार मंत्री

LEARN • UNLEARN • RELEARN

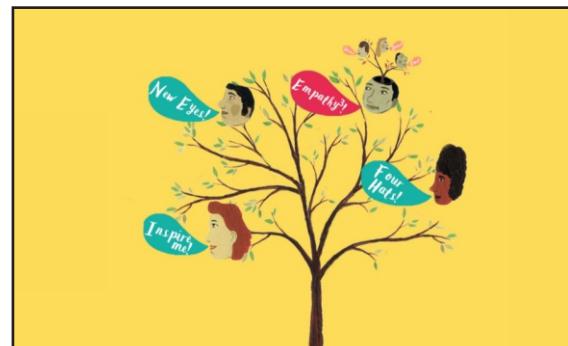


प्यारी बहनों,

परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण के अनुसार वर्ष आता है, चला जाता है, यह कोई विशेष बात नहीं। विशेष बात यह है कि हर वर्ष आदमी के विकास का कालमान बने। इसलिए जखरी है कि बीते साल का सिंहावलोकन करते हुए नए संकल्पों के साथ नई पगड़ंडियों का निर्माण कर सही दिशा में चरणों को गतिमान करें। चेतना के ट्रांसफॉर्मेशन से ही संकल्पों में सुदृढ़ता आती है। इसी से नए इतिहास रचे गए हैं, मनुष्य चाहे तो ढृढ़ इच्छाशक्ति से बंजर भूमि में फूल उगा सकते हैं। चाहे तो रेगिस्तान में पानी के झारने और बिना तेल-बाती के दीप प्रज्वलित किए जा सकते हैं। बिन मौसम बरसात की शीतल फुँहारों से धरती को सरसब्ज बनाना संकल्प शक्ति से ही संभव है। इस नए वर्ष में हम क्या सीखें, क्या छोड़ें और क्या दुहराएं आईये देखते हैं। **इस माह हमें कार्यशाला नहीं करनी है।**

LEARN - ऐसा जानें या समझें

- जिन्दगी में बहाने न बनाएं, हमारे करणीय कार्यों में अगर मगर, किन्तु, परन्तु जैसे नकारात्मक शब्दों का प्रयोग न करें।
- सिपैथी के बजाये एम्पैथी को अपनाएं। कृतज्ञता से बचे, कृतज्ञता को अपनाएं।
- नेक नीयत पर डटे रहे, नियंत्रण की चाबी अपने हाथ में रखें।



UNLEARN - ऐसा न सोचें

- मुझे उचित शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिला, क्योंकि मैं गरीब घर में पैदा हुआ था।
- बचपन में मेरे पिता का देहान्त हो गया था, मैंनें साइकिल पर घूमकर आधी जिन्दगी गुजारी थी।
- एक दुर्घटना में अपाहिज होने के बाद मेरी हिम्मत टूट गई।

RELEARN - दूसरों से शिक्षा लें व सीखें

- उचित शिक्षा का अवसर फोर्ड कार के मालिक हेनेरी फोर्ड को भी नहीं मिला।
- प्रख्यात संगीतकार ए.आर.रहमान के पिता का भी देहान्त बचपन में हो गया था, निरमा के करसन भाई पटेल ने भी साइकिल पर निरमा बेचकर आधी जिन्दगी गुजारी थी।
- प्रख्यात नृत्यांगना सुधा चन्द्रन के पैर नकली होने पर भी आज वह अच्छी नृत्यांगना है।





Art Khozana

बहनों, अपने अन्तिम छोर पर खड़ा है मीठी-कड़वी यादों को अपने साथ लिए सन् 2020 और जीवन की देहरी पर दस्तक देने को आतुर है सन् 2021 नये वर्ष पर चलें नये संकल्पों के साथ नए सफर पर। इस नववर्ष पर बनायें Jain Art Diary "Manan" और लिखें उसमें 12 माह के 12 संकल्प।

सनद रहे - मनन डायरी का कवर पेज आकर्षक, आध्यात्मिक और Jainism की Theme पर हो।

सुनिश्चित करें कि कवर पेज में श्रेष्ठ क्वालिटी की ग्राफिक्स Colour Combination हो।

यह एक प्रतियोगिता है। श्रेष्ठ कवर पेज को अपने-अपने क्षेत्र में स्थानीय महिला मंडल प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्रतियोगी को पुरस्कृत करें।



स्व से संकल्प

शक्ति सम्पन्न जीवन वह प्रज्वल अंगारा है, जिसमें ज्योति के स्फुलिंग उछलते रहते हैं। सफलता, विजय और विकास का आधार है शक्ति। 'शक्ति' केवल ढाई अक्षर का शब्द। किन्तु इस शब्द की जो मूल्यवता और महत्ता है, उसे हजारों शब्द अभिव्यक्ति नहीं दे सकते। प्रत्येक व्यक्ति शक्ति सम्पन्न होना चाहता है तो आइये, बहनों नववर्ष की शुभ शुरुआत हम इस महीने नौ मंगल भावनाओं से भावित होकर करें।

उपर्युक्त स्तोत्र

उपर्युक्त स्तोत्र भद्रबाहु रवामी द्वारा रचित महाप्रभावक मंत्र है। उपवास सहित पौषबद्धी 10 (8 जनवरी) को यह जप प्रारम्भ करें। इसका बीज मन्त्र है -

ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं नमित्तणं पास विस्वहर
वसह जिण फुलिंग ह्रीं श्रीं नमः।

इसकी एक माला पद्मासन में बैठकर पूर्वोत्तर दिशा में फेरें फिर 'उपर्युक्त स्तोत्र' का जितना पाठ हो सके, उतना पाठ करें। इसके बाद प्रतिदिन 27 बार सायंकाल को इसका जाप अनिवार्य है। जप अनुष्ठान के लिए ढूढ़ आरथा और आध्यन्तर पवित्रता की अत्यन्त आवश्यकता है। यह जप मन्त्र बहुत ही प्रभावशाली व चमत्कारी है।



कर्मयोग ज्ञान

इस बार कल्याण मंदिर ऋत्रोत का 9 वें श्लोक से लेकर 12 वें श्लोक तक याद करने का लक्ष्य रखें।
इस बार 14 वें तीर्थकर श्री अनन्त प्रभु की गीतिका याद करने का लक्ष्य रखें।

नोएडा कन्या मंडल का गठन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को यह बताते हुए बहुत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि नोएडा में कन्या मंडल का गठन किया गया है एवम् उम्मीद है नोएडा की सभी कन्याएं ABTAM के मार्ग-दर्शन में अपना उत्तरोत्तर विकास कर सकेंगी। नोएडा की कन्याओं का आध्यात्मिक एवम् सामाजिक विकास पूर्ण रूप से होगा ऐसा हमारा विश्वास है। नोएडा कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती सुमन रिपानी एवं संयोजिका सुश्री दृष्टि बैद्ध है। आप सबको बहुत-बहुत बधाई।

कन्यामंडल करणीय कार्य

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र

स्वागतम नव वर्ष, मन, आंगन नव हर्ष।

क्षण-क्षण नव संघर्ष, संग उमंग नव विमर्शा, पा जीवन उत्कर्ष॥

उत्तम स्वास्थ्य, नव उल्लास, नए अरमान, नए लक्ष्य, नए सपने, नए भविष्य की शुरुआत हो, सभी प्यारी बेटियों के प्रति यही मंगलकामना।

नव वर्ष की पहली किरण का स्वागत ईश्वर की प्रार्थना, मन का विश्वास, आध्यात्मिक ऊर्जा व नव संकल्प के साथ करें और यह संकल्प है उत्तम स्वास्थ्य का, Fitness का। Fitness एक शब्द नहीं है बल्कि स्वस्थ व समृद्ध जीवन की एक आवश्यक शर्त है। जिसका महत्व वर्ष 2020 में सभी जान चुके हैं, समझ चुके हैं।

“स्वास्थ्य सर्वार्थ साधनं”

यह उक्ति हमारी संरक्षिति का मूलमंत्र है। नए जोश व नए आत्मविश्वास का पैमाना है उत्तम स्वास्थ्य। नव वर्ष के अवसर पर स्वास्थ्य संबंधी संकल्प ले कर वर्ष 2021 की मंगल शुरुआत करें। हम स्वयं स्वस्थ रहें, परिवार, समाज व राष्ट्र को भी स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दें।

जनवरी माह का करणीय कार्य :-

Health is a Boon - Care for it

प्रथम चरण :-

1. योग - योग से बनता है - तन, मन निरोग (30 मिनट)

व्यायाम का एक व्यापक रूप है सूर्य नमरकार। 12 योगासनों से युक्त शारीरिक तंत्र के लिए सम्पूर्ण अभ्यास है, इसके महत्व को जानें व प्रयोग करें।

2. Eat Healthy to stay Healthy (30 मिनट)

3. ध्यान - उत्तम स्वास्थ्य की सबसे बड़ी कुंजी (15 मिनट)

द्वितीय चरण :

Virtual Walkathon - Walk for Life

abtmm का Walkathon Tournament - जिसके अन्तर्गत आप सभी को Mobile App Download कर अपने रोज के Steps (कदम) रिकार्ड करने होंगे। विस्तृत जानकारी Abtmm Group में दें दी जाएगी।

तृतीय चरण :-

संस्कार निर्माण का अद्भुत उपक्रम (Virtual)



Evolve

Learn Evolve Grow & Expand

पूज्य प्रवर व महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्रीजी की यह सतत् प्रेरणा रहती है कि हमारी कन्याएं संस्कारी बनें, उनका सम्पूर्ण विकास हो। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए Evolve कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

प्रथम कार्यशाला - चैन्सेल कन्या मंडल द्वारा जिसका विषय रहेगा

Breaking the Myths

पूरे देशभर की कन्या मंडल की बेटियां शत्-प्रतिशत उपस्थिति ढर्ज करवाएं।

आपकी ढीढ़ी
रमन पटावरी

इस माह का संकल्प 5 मिनट श्वास प्रेक्षा का अभ्यास प्रतिदिन

अहमदाबाद - उत्तर गुजरात स्तरीय संवर्धन “रिश्तों में” कार्यशाला का भव्य आयोजन



अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित महिला मंडल अहमदाबाद द्वारा आयोजित उत्तर गुजरात स्तरीय संवर्धन “रिश्तों में” कार्यशाला का भव्य आगाज गांधीजी की पुण्य धरा अहमदाबाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी बैंड की अध्यक्षता में ZOOM द्वारा वर्चुअल किया गया। विशेष अतिथि महामंत्री तरुणा जी बोहरा, मुख्य अतिथि गुजरात महिला आयोग अध्यक्ष लीलाबेन अंकोलिया व मुख्य वक्ता के रूप में मोटीवेटर दिनेश जी बुरड उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री महाश्रमण जी के मंगल पाठ से हुआ। नमस्कार महामंत्र की उर्जा रश्मियों के साथ अपने भावों की प्रस्तुति abtmm प्रधान ट्रस्टी श्रीमती शांता जी पुगलिया द्वारा दी गई।



TMM अहमदाबाद ने स्वागत गीत लहरियों द्वारा ABTMM टीम का भाव भरा शानदार स्वागत किया। स्थानीय संरक्षण की उर्जावान व जागरूक अध्यक्ष श्रीमती मनीता जी चोपड़ा ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के सभी पदाधिकारी गण जूम में उपस्थित सभी क्षेत्रों की बहनें और भाईयों एवं गणमान्य सभी व्यक्तित्व का दिल की अनंत गहराइयों व भावों के सुनहरे शब्दों से स्वागत व अभिनंदन किया। उपहार स्वरूप एक लाख का चेक abtmm को प्रदान किया।

मुनि श्री मोहजीत कुमार जी का आशीर्वचन व सभी चरित्र आत्माओं की प्रेरणा पाथेर पढ़ कर सुनाया गया।

संघ महानिर्देशिका साध्वी प्रमुखाश्री जी का मंगल संदेश का सुंदर वाचन संरक्षा की प्रथम उपाध्यक्ष श्रीमती अदिति जी सेखानी द्वारा किया गया। गुजरात गौरव माननीय मुख्यमंत्री श्री विजय भाई खपाणी का उर्जा संचार भरा शुभ संदेश का वाचन संरक्षा की भूतपूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी सेठिया ने किया। गुजरात महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती लीला बेन अंकोलिया का परिचय संरक्षा के द्वितीय उपाध्यक्ष श्रीमती मीना जी कोठारी द्वारा दिया गया।

महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती लीलाबेन अंकोलिया ने abtmm के कार्यों की सराहना करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जो राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी बैंड के कार्यकाल का ऐतिहासिक क्षण है। अहमदाबाद महिला मंडल व कन्या मंडल ने संयुक्त रूप से संवर्धन गीत की अत्यंत रौचक प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैंड ने Tmm अहमदाबाद को एक बहुत ही सशक्त विशेष और मजबूत शाखा के नाम से पुकारा और कहा कि abtmm को अनुदान उपहार देने में सर्वोच्च स्थान रखती है। हर कार्य में अहमदाबाद अग्रणी रहता है और बहुत ही सक्रिय क्षेत्र हैं। रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कहा कि आज देखा जाए तो रिश्ते किस प्रकार डिस्पोजल व कांच की भाँति हो गए हैं इसके ऊपर उन्होंने दिल की आह और पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य श्री तुलसी ने बहुत ही सुंदर शब्दों में कहा-

मेरी हरकत वो सहे, उसकी हरकत मैं क्यों न सहूं
साथी साथ निभाना है तो सहिष्णुता के साथ रहूं।

Abtmm ट्रस्टी श्रीमती मधु जी ढूगड़ ने अपनी मधुर वाणी व सूधड़ शब्दों द्वारा सारगर्भित विषय प्रतिपादन

प्रस्तुत किया।

महामंत्री तरुणा जी ने अपनी ओजर्स्वी वाणी से कहा कि इतने सुंदर कार्यक्रम का समायोजन इतने कम समय में अहमदाबाद ने किया है यह अहमदाबाद ही कर सकता है साथ ही महामंत्री ने कहा कि अपने रिश्तों की डोर को बनाए रखने के लिए हमें बहुत ही सकारात्मक शब्दों का प्रयोग करना होगा। जैसे- I proud you, I believe you, I trust you, I Care you इन शब्दों से रिश्तों में मजबूती आती हैं।

Abtyp के confident public speaker trainer श्रीमान दिनेश जी बुरड ने संवर्धन कार्यशाला में मोटिवेटर की भूमिका निभाई। आपने ऐसे बहुमूल्य सूत्र बहनों को दिए जो रिश्तों को मधुर व सरस बनाने में कारगर सिद्ध होंगे। आपने बताया कि जीवन में कुछ भी हो हम उन्हें भुलना सीखें, आगे बढ़ना सीखें और सास-बहू के रिश्तों को प्रगाढ़ व मजबूत बनाने के लिए आपने सास-बहू सेल्फी मंगवाई। सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष, स्थानीय अध्यक्ष व अनेक बहनों ने अपनी सेल्फी दिनेश जी को भेजी।

Abtmm गुजरात राज्य के प्रभारी भारती जी पारिख ने कहा कि Tmm अहमदाबाद हर कार्य में सुचारू ढंग से अपनी भूमिका निभाता रहा है।

प्रेक्षा विश्व भारती कोबा अध्यक्ष श्रीमान राजीव जी छाजेड़ अपने ओजर्स्वी वक्तव्य में कहा Abtmm द्वारा निर्देशित Tmm अहमदाबाद द्वारा आयोजित कार्यशाला का शानदार आयोजन की गूंज घर-घर में पहुंचाने की आवश्यकता है। जिस प्रकार बहनें अपने कार्य व समय का संयोजन व नियोजन करती हैं, इसके लिए वह प्रशंसा की पात्र हैं।

उत्तर गुजरात से अमराईबाड़ी, बड़ौदा, भरच, अंकलेश्वर, बीजापुर, माणसा, गांधीधाम, बारडोली, भुज, डिसा, दुंगरी इन दस क्षेत्रों की रिश्तों में संवर्धन पर बहुत ही सुंदर प्रस्तुति रही।

अहमदाबाद द्वारा किए गए कार्य जैसे स्वच्छता अभियान के तहत 21 इन्सीनरेटर का उद्घाटन व समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत दो आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर एवं एक आचार्य तुलसी सिलाई केंद्र की स्थापना की गई। जिसका वर्चुअल अवलोकन राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में माननीय सभा अध्यक्ष अशोक जी सेठिया, प्रेक्षा विश्वभारती अध्यक्ष श्रीमान राजीवजी छाजेड़, अणुव्रत के अध्यक्ष श्रीमान विमलजी बोरदिया, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष श्रीमान पंकज जी डांगी, ज्ञानशाला के राष्ट्रीय संयोजक श्रीमान सोहनजी चोपड़ा, तेरापंथ समाज से श्रीमान नानालाल जी कोठारी एवं सभी क्षेत्रों के पदाधिकारी व समस्त तेरापंथ समाज की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यशाला में मीडिया प्रेस का बहुत ही उल्लेखनीय योगदान रहा। यंग लीडर के संपादक सम्मानीय धर्मेंद्रजी और राजस्थान पत्रिका के संपादक राजेशजी दुबे ने इस कार्यक्रम की गुणवत्ता में वृद्धि की। कार्यक्रम का सुधङ्ग संचालन जागरूक मंत्री प्रतीक्षा सुतरिया व प्रेमा बागरेचा ने किया। प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती अनीता कोठारी द्वारा आभार ज्ञापन किया गया। Abtmm सह प्रचार प्रसार मंत्री सोनल जी बागरेचा का संचालन व टेक्नोलॉजी में विशेष सहयोग रहा।

जलगांव तेरापंथ महिला मंडल द्वारा खानदेश स्तरीय संवर्धन कार्यशाला का टाफल आयोजन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वाधान में तेरापंथ महिला मंडल जलगांव द्वारा खानदेश स्तरीय संवर्धन “क्षमा का” कार्यशाला का वर्चुअल आयोजन दिनांक 19 दिसंबर 2020 को किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ABTMM संरक्षिका श्रीमती ताराजी सुराणा द्वारा मंगल -पाठ के उच्चारण के साथ किया गया। ज्ञानशाला के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि श्री उद्दित कुमार जी ने क्षमा विषय पर प्रकाश डालते हुए उसके महत्व को बताते हुए



सारगर्भित मंगल उद्बोधन प्रदान किया और तेरापंथ महिला मंडल जलगांव को कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। तत्पश्चात खानदेश एवं महाराष्ट्र प्रांत के सुदूर क्षेत्रों द्वारा अतिथियों के स्वागत की सुंदर प्रस्तुति वीडियो विलप के माध्यम से दिखाई गई।

जलगांव तेरापंथ महिला मंडल ने मधुर गीतिका द्वारा स्वागत गीत की सुंदर प्रस्तुत दी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी बैद और महामंत्री तरुणा जी बोहरा एवं संपूर्ण ABTMM का खानदेश की धरा पर स्वागत किया गया।

जलगांव तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा निर्मला जी छाजेड़ ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा जिस तरह एक माली अपने उपवन के पौधों को खाद, ढावाई, पानी देकर सिंचन देता है उसी प्रकार राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री जी ने जप, तप, स्वाध्याय, धर्म आराधना, ज्ञानवर्धक व्हाट्सएप प्रश्नोत्तरी एवं कार्यशालाओं के माध्यम से हमें सतत सिंचन किया है। ABTMM के निर्देशन मे सभी शाखामंडल अपना विकास कर रहे हैं, अपना संवर्धन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पाजी बैद ने क्षमा के विषय पर महत्व बताते हुए कहा क्षमा लेने वाला और क्षमा देने वाला दोनों महान होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं बल्कि विनम्रता का प्रतीक है। क्षमा देना बड़प्पन नहीं है बल्कि उदारता का प्रतीक है।

महामंत्री तरुणाजी बोहरा ने क्षमा विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि हमें सही मायने मे संवर्धन करना है तो सबको क्षमा करते हुए और क्षमा मांगते हुए अपने मन के डस्टबिन को साफ करना होगा।

तेरापंथ महिला मंडल एवं कन्या मंडल द्वारा संवर्धन गीत पर बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी गई।

इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे श्रीमान गनी जी मेमन(vice president Indian red cross society) एवं श्रीमान उमेश जी सेठिया (founder santronix computer) जिन्होंने क्षमा विषय पर बहुत ही सुंदर एवं प्रभावशाली रूप से क्षमा का महत्व समझाया।

संवर्धन कार्यशाला मे माननीय MLA श्री सुरेश दामू भोले जी ने भी अपनी शुभकामनाएं देकर कार्यशाला में चार चाँद लगाए। साथ ही इस कार्यशाला मे गंगाशहर से आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्रीमान लूणकरण जी छाजेड़ ने कार्यक्रम के संदर्भ में अपनी भावनाएं व्यक्त की एवं कार्यशाला मे जुड़ कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यशाला मे खानदेश एवं महाराष्ट्र प्रांत के कुल 21 क्षेत्र संभागी बने। पालघर, इचलकरंजी, सोलापुर भुसावल एवं अंबाजोगाई महिला मंडलों द्वारा बहुत ही मनमोहक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई। सभी क्षेत्रों का उत्साह कार्यक्रम मे रप्प्ट दिखाई दे रहा था।

इस वर्चुअल कार्यशाला मे मीडिया से धर्मेंद्र जी डाकलिया, पंकज जी दुधोडिया और कर्झ गणमान्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का व्यवस्थित और कुशल संचालन कोषाध्यक्ष श्रीमती विनीता समदरिया एवं मंत्री श्रीमती रीटा बैद ने किया। उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता सेठिया द्वारा सभी अतिथियों का आभार ज्ञापन किया।



नाथद्वारा में राजसभन्द- चितौड़ इंभाग स्वतीय संवर्धन ‘श्रद्धा’ में कार्यशाला का आगाज

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल नाथद्वारा के बेनर तले आचार्य महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती शासन श्री मुनि श्री सुरेश कुमार जी ‘हरनावां’ के सान्निध्य में श्री जी झटकेशनल होटल में वर्चुअली आयोजन हुआ।

शांतिदृष्ट आचार्य श्री महाश्रमण के मंगलपाठ व प्रधान द्रस्टी श्रीमती शान्ता पुगलिया के नमरकार महामन्त्र से शुरू हुई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए ध्यान साधक शासनश्री मुनि श्री सुरेश कुमार जी हरनावां ने कहा- विकास का वशीकरण मंत्र है श्रद्धा। गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी का नारी सशक्तिकरण का स्वप्न साकार हो रहा है मगर मंजिल अभी भी दूर है। समय बदल रहा है श्रद्धा को भटकाव से बचाना और विश्वास से आगे बढ़ना इस दौर की सबसे बड़ी चुनौती है सवंर्धन कार्यशाला इस चुनौती का सामना करने की शक्ति देगी।

मुनि श्री संबोध कुमारजी “‘मेधांश’” ने अपने प्रेरक अभिभाषण में कहा श्रद्धा और कुछ नहीं सिर्फ हमारी सोच की गहराई है। हमारी कामयाबी और नाकामयाबी इस एक सोच से तय होती है। किसी लक्ष्य तक पहुंचने में हम जुनूनीयत के किस हृदय तक जाते हैं।

समण श्री सिद्धप्रज्ञ जी ने कहा श्रद्धा का अर्थ है घनीभूत विश्वास, केवल ज्ञान सिद्धयों के शिखर पर नहीं ले जा सकता, उसके साथ चाहिए सम्यक दर्शन। श्रद्धा के बिना सम्यक दर्शन अपना अर्थ खो देता है। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रही अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पाजी बैद ने कहा- सवंर्धन वर्धमानता का प्रतीक है। हम आगे बढ़ें मगर श्रद्धा को ढांच पर लगाने की शर्त पर कभी नहीं। निष्काम श्रद्धा चमत्कार पैदा करती है हम जीवन में एक बात सदा अपनी स्मृति में रखे माता-पिता- देव, गुरु, धर्म, परिवार में किसी के प्रति श्रद्धा कमजोर होती है वहीं से जीवन में गिरावट शुरू होती है। श्रद्धा में हमारी आस्था फैलादी बनें यही मंगलकामना।

अ. भा. ते.म.म. की महामंत्री तरुणाजी बोहरा का मानना था - जहाँ श्रद्धा गुमनाम हो वहाँ सफलताएं कदमों के नीचे से खिसक जाती है वक्त कोई भी हो आत्मा, मन और इन्द्रिय में अगर श्रद्धा घुल जाए तो सिद्धियां स्वयं दरवाजे पे दरत्तक देती हैं।

राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती नीतु ओस्तवाल ने अपनी अभिव्यक्ति में कहा - वह श्रद्धा ही है जिसने प्रत्यक्ष उपस्थिति के बिना भी एकलव्य श्रेष्ठ धनुर्धर बना। यह श्रद्धा ही है जो आचार्य महाश्रमण के एक इंगित पर सम्पूर्ण तेरापंथ समाज प्रति सप्ताह शाम सात से आठ बजे सामायिक आराधना करता है। उन्होने महामंत्री को मंडल द्वारा प्रदत्त संदेश का वाचन किया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती रंजू लुनिया ने कहा - द्वीप को प्रज्वलित करने में जैसे तेल की भूमिका है वही भूमिका जीवन में श्रद्धा की है।

मुख्य वक्ता लीडर शिप ट्रेनर व मोटिवेटर श्रीमति रक्षा मांडोत (बेंगलुरु) ने अपने प्रेरक उद्घार में कहा - जिसे हम



रोज देखते हैं या महसूस करते हैं मन उसे श्रद्धा से स्वीकार कर लेता है। अपनी ओर से जब पूरी तरह चुनौतियों के लिए समर्पण कर चुके हो फिर भी लक्ष्य प्राप्त ना हो तो भगवान पर छोड़ देते हैं और भगवान से आगे केवल एक चीज है और वो है श्रद्धा।

अ.भा.ते.म.म. कार्यसमिति सदस्य डॉ हेमलता नाहटा - असाधारण महाश्रमणी साध्की प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी द्वारा प्रषित संदेश का वाचन किया। तेरापंथी महासभा सदस्य व नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश जी सोनी ने राजस्थान विधानसभाध्यक्ष माननीय श्री सी. पी. जोशी द्वारा प्रदत्त शुभकामना संदेश का वाचन किया। अ.भा.ते.म.म. कार्य समिति सदस्य डॉ- श्रीमती नीनाजी कावड़िया ने मेवाड़ अंचल शाखा मंडलो की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए नाथद्वारा महिला मंडल द्वारा प्रदत्त राष्ट्रीय अध्यक्ष वर्धापन पत्र का वाचन किया। कार्यशाला में तेरापंथ कन्या मंडल व महिला मंडल द्वारा संवर्धन गीत पर एकशन सॉंग की दिलकश प्रस्तुति ढी।

वर्चुअल स्वागत गीत महिला मंडल द्वारा पेश किया गया, उसमें 28 शाखा मंडलो के कर्तव्य की सामूहिक प्रस्तुति का वीडियो प्रसारण किया गया। आभार श्रीमती कुसुम कर्नावट ने व्यक्त किया। मंच संचालन मंत्री श्रीमती नीता तलेसरा ने किया।

'तत्व मंथन' कार्यशाला का आगाज

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दिनांक 28 दिसम्बर 2020 को दोपहर 3 से 4 बजे वर्चुअल 'तत्व मंथन' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रांगभ में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने डॉ. मंजू जी नाहटा का अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से भाव भीना स्वागत किया। इस कार्यशाला का विषय था 'महाविदेह क्षेत्र।' इसकी प्रशिक्षिका थी जैन स्कॉलर निर्देशिका एवं श्राविका गौरव डॉ. मंजू जी नाहटा। उन्होंने पावर पाइंट द्वारा बताया कि जैन धर्म दर्शन में कोई भी वस्तु या क्षेत्र को चार दृष्टियों से जान सकते हैं - द्रव्यतः, क्षेत्रतः, कालतः, भावतः। महाविदेह क्षेत्र जम्बूद्वीप में है और जम्बूद्वीप तिर्यक लोक के मध्य में है। तिर्यक लोक में असंख्य द्वीप समुद्र के मध्य में जम्बूद्वीप है। जम्बूद्वीप के मध्य में महाविदेह क्षेत्र है। महाविदेह क्षेत्र जो 64 श्लाकाओं या 64 खण्डों का है। महाविदेह क्षेत्र के मध्य में दो नदियां हैं सीता नदी एवं सीतोदा नदी जो पूरे महाविदेह को चार भागों में विभाजित करती हैं। उत्तर कुरुक्षेत्र में जम्बू वृक्ष यानि जामुन का वृक्ष है यह वनपरित्कायमय न होकर पृथ्वीकायमय है इसके नाम पर ही जम्बूद्वीप नाम पड़ा। वर्तमान काल में 8 वीं विजय में सीमंधरस्वामी 9 वीं विजय में बाहु स्वामी, 24 वीं विजय में सुबाहु स्वामी व 25 वीं विजय में युगन्धर स्वामी विराजमान है। महाविदेह क्षेत्र एक लाख योजन में फैला हुआ है। इसमें मेरु पर्वत है जो दस हजार योजन का है। जितनी विजय है उतनी ही उनकी राजधानियाँ हैं। 8 विजय में 8 राजधानियाँ उनमें 4 गजदन्ताकार पर्वत तथा 3 नदियां हैं। ऐसे 32 विजय में 32 राजधानियाँ 16 पर्वत व 12 नदियां हैं जो विजयों को विभाजित करती हैं। महाविदेह क्षेत्र में सदैव चर्तुर्थ आरा ही रहता है। प्रश्न: होता है महाविदेह में आरा परिवर्तित क्यों नहीं होता? उत्तर - बहुत से नरक और देवगति में ऐसे जीव हैं जो एकाभवतारी हैं जो मोक्ष जाने वाले हैं। जो चतुर्थ आरे से ही मोक्ष जा सकते हैं।

प्रश्न होता है कि महाविदेह नाम क्यों पड़ा? इसके कई कारण हैं पहला यह शाश्वत नाम है जो अनादिकाल से चला आ रहा है, यह सबसे बड़ा क्षेत्र है, इस क्षेत्र में जीव देह युक्त से देह मुक्त यानि विदेह होने की क्षमता रखता है। महाविदेह क्षेत्र में सदैव कर्म भूमि है वहां पर यहां के पंचम आरे की तरह ही सब कुछ चलता है। वहाँ नगर, गांव, व्यवसाय सब कुछ होता है पर वहां कि विशेषता यह है कि वहां दुःख कम व सुख ज्यादा होता है। हमारे यहां दुःख ज्यादा व सुख कम होता है। इस वर्ष तो इतना दुःख देखा जितना पहले कभी नहीं देखा। वहां जीव मोक्ष जा सकता है तथा तीर्थकरों से ज्ञान प्राप्त कर सकता है। साङ्घिक्य प्राप्त कर सकता है यहां पर ऐसा नहीं है। एक महाविदेह क्षेत्र में जघन्य चार तीर्थकर होते हैं। अदाई द्वीप में जघन्य बीस तीर्थकर हो सकते हैं। एक महाविदेह क्षेत्र में उत्कृष्ट बत्तीस तीर्थकर तथा पांच महाविदेह क्षेत्र में 160 तीर्थकर हो सकते हैं। अदाई द्वीप में उत्कृष्ट 170 तीर्थकर हो सकते हैं। जम्बूद्वीप के बाहर लवण सागर है उसके बाद धातकी खण्ड है। उसके बाद कालोदधी सागर है, उसके बाद अर्धपुष्कर द्वीप है, उसके बाद मानुषोत्तर पर्वत है इसको लांघकर कोई बाहर नहीं जा सकता।

इस प्रकार डॉ. मंजूजी नाहटा ने महाविदेह क्षेत्र का इतना सुन्दर वर्णन किया, जो अद्भुत था। बाद में उन्होंने बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया और अन्त में अ.भा.ते.म.म. की कर्मठ महामंत्री ने हृदय की अनंत गहराईयों से आभार व कृतज्ञता ज्ञापित की।

'आत्मनिर्भरता' पर किणवण बेदी टे संबाद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा Zoom and facebook live के माध्यम से online webinar का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में आर्यन लेडी ऑफ इण्डिया पाण्डीचेरी की राज्यपाल डॉ. किरण बेदी जी रही।

गुरुदेव के मुखारविन्द से मंगलपाठ द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत हुई। तत्पश्चात् राष्ट्रीय ट्रस्टी कनक जी बरमेचा ने स्वागत किया सभी का व अपने विचार व्यक्त किये। और आपने कहा

लीक से हटकर काम करना है जिनकी फितरत,
जुनून भरे जिगर से अंजाम देना है जिनकी आदत
शूरवीर महिला के नाम के लगे है कई डंके
कमाल का है जीवन आपका
निर्णय शक्ति की आपमें है अद्भुत ताकत

ऐसी amazing महिला का करता है abtmm हृदय से स्वागत॥

तत्पश्चात् कार्यक्रम को गति प्रदान की। अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती ज्योति जी जैन ने। आप इस कार्यक्रम की मुख्य कड़ी के रूप में रही। आपने बताया कि हमारे भारत की बेटी किरण जी 1972 में सम्मिलित होने वाली पहली महिला पुलिस है। आपने नव ज्योति आदि पुरस्तके भी लिखी, आपका परिचय लिखना पञ्चों में सम्भव नहीं है, एक छोटे से विडियो के द्वारा आपका एक परिचय दिया गया, इस Webinar में हजारों बहिनें live जुड़ी। देश-विदेश की बहनों ने इसका लाभ उठाया।

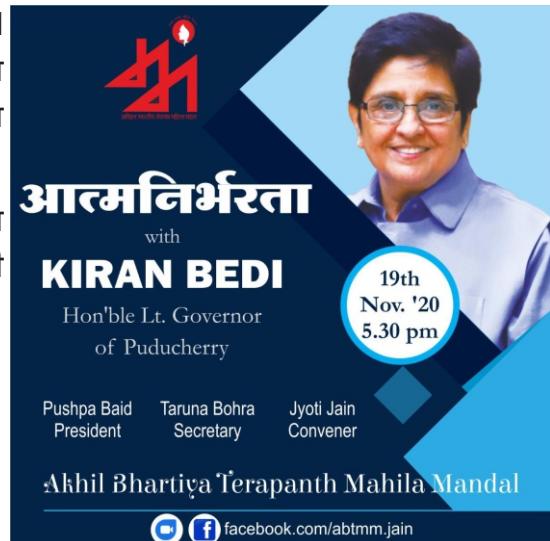
किसी को भी मत कहने दो कि मैं कमजोर हूँ ये line से आपका स्वागत किया, हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो पाई। तत्पश्चात् राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरुणा जी ने आपके स्वागत में कहा कि आप को देखते हैं, आपके बारे में जानते हैं तो बहुत अभिमान होता है, देश ही नहीं पूरे विश्व में आपका वर्चर्स्व छाया हुआ है, आपने abtmm की संस्था का विस्तार से परिचय दिया व संस्था की चारों योजनाओं के बारे में अवगत कराया और कहा कि संस्था आपने सभी प्रोजेक्ट यथावत् पूरा कर रही है इस कोरोना परिस्थिति में भी। सम्पूर्ण नारी शक्ति की ओर अभिनन्दन किया गया।

डॉ. किरण बेदी ने कहा कि बच्चों को आत्म निर्भर का पहला मंत्र माता-पिता ही देते हैं बच्चे को confidence building बनाना सिखायें, हमारी growth family के हाथ में ही होती है यदि एक आत्म निर्भर लड़की बहु बनकर आई है तो उसे सम्मान दें। मुझे बहुत प्रसन्नता है कि आज यह abtmm संस्था एक Confidence building group है और इस संस्था की मजबूती एक नारी के हाथ में है। उसका साथ देने वाली भी सब नारियां ही हैं। हमारे पास पाँच इन्डिया हैं, उनका हमेशा ध्यान रखे, आत्म निर्भरता की इसी कड़ी में कहा कि चोर डरते हैं, क्योंकि वे आत्मनिर्भर नहीं होते हैं, संत महात्मा कभी नहीं डरते हैं मेरे Roll Model मेरे संत महात्मा हैं।

आज हम Technology का सही इस्तेमाल करके घर बैठे ही अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। मैं रोज के विचार लिखती हूँ, आपने अंत में ये कहा कि आपकी ये संस्था मुझे हमेशा यादगार रहेगी। तत्पश्चात् ज्योति जी ने दो-तीन प्रश्नों का समाधान लेते हुए उन्हें पूरी संस्था की ओर से धन्यवाद दिया।

डॉ. किरण बेदी जी ने आशा गुप्ता का भी धन्यवाद किया। जिन्होंने Coordinate किया। ज्योति जी ने आपसे Best Advice मांगी तो आपने कहा अपनी सोच बढ़ाते जाओ, नया सीखना है Mind को Out करो Reout मत करो। Learn to everyday. तत्पश्चात् आभार व्यक्त किया, मधु जी श्यामसुखा ने, कहा कि abtmm आपके जज्बे को, आपके कर्तृत्व को सलाम करती है, आपसे हम कुछ सीख सके, आपसे कुछ पा सके यही विश्वास रखते हैं, आपका इतना सा साथ पाना भी हमारे लिए गौरव की बात है।

आपने राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री व ज्योति जी का आभार व्यक्त किया। अंत में सह प्रचार-प्रसार मंत्री सोनम का धन्यवाद किया।



भक्ताभर अध्ययन कार्यशाला

आपने अक्टूबर माह की पत्रिका में भक्ताभर अध्ययन कार्यशाला के शुभारम्भ के बारे में पढ़ा होगा।

17 अक्टूबर को उद्घाटन सत्र से प्रारम्भ हुई कार्यशाला।

सोमवार से शुक्रवार प्रति दिन, मध्याह्न 3-4:30,

2 श्लोकों का शुद्ध उच्चारण, अर्थ, विवेचन, विस्तार से श्लोकों के मर्म को समझने का क्रम चला।

प्रत्येक शनिवार को विविध प्रश्नोत्तर के द्वारा सीखे गए श्लोकों का ज्ञान पुष्ट किया जाता।

प्रथम् सप्ताह हमने जैन इतिहास जाना, ऋषभ को समझा, भक्ताभर के रचयिता आ.मानतुंग से परिचित हुए, भक्ताभर स्तोत्र की रचना के ऐतिहासिक गर्भ में छिपी घटना को समझने का प्रयत्न किया।

31 सत्र का यह क्रम निर्बाध रूप से चलता हुआ 30 नवम्बर को सानन्द सम्पन्न हुआ।

कार्यशाला में प्रशिक्षण का दायित्व संभाला अ.भा.ते.म.मं की कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती शिल्पा बैद ने 30 कर्मठ युवतियों की सशक्त टीम के साथ। जो प्रतिदिन लगभग 45 मिनट का समय लगा कर शुद्ध उच्चारण सिखाने व शुद्ध करने में एक एक सदस्य को मदद करतीं। इस प्रक्रिया के लिए पूरे सत्र को 15-17-20 विभिन्न कक्षाओं में बांट दिया जाता, और प्रत्येक कक्षा में एक प्रशिक्षिका होती।

30 नवम्बर को समापन समारोह की मध्याह्न लगभग 700+ लोग जूम पर निरंतर जुड़े रहे, फेसबुक पेज पर जुड़ने वालों की संख्या अतिरिक्त रही। अखिल भारतीय के अधिकाधिक सदस्य, पदाधिकारी गण, गणमान्य ट्रस्टी वह संरक्षिका गण की अच्छी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत कल्याणकारी वाणी गुरुवर के मुखारविंद से मंगल पाठ के साथ हुई। निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती कुमुद जी कच्छारा के ओजस्वी वक्तव्य ने कार्यक्रम की शोभा को शत गुणित कर दिया।

भक्ताभर स्तोत्र के 44 श्लोकों की एक खचिकर प्रस्तुति कार्यशाला के संभागियों के द्वारा की गई, कुछ अनुभव सीखने व सिखाने के साझा किए गए।

प्रशिक्षिका शिल्पा बैद ने भक्ताभर की महिमा को उजागर करते हुए अपने वक्तव्य में गुरुवाणी को जन जन तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करने के लिए अ.भा.ते.म.मं का, अनवरत सहयोग के लिए टीम उच्चारण का व उत्साहपूर्ण अध्ययन के लिए सभी सहपाठियों का आभार ज्ञापन किया।

प्रबुद्ध चिन्तन की धनी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ने सम्पूर्ण सत्र के सहभागियों के उत्साह व निरंतरता, कुशल संचालन, प्रशिक्षण व उच्चारण टीम की उदार शब्दों में अनुमोदना की, साथ अध्ययन की पिपासु बहनों को आश्वरत किया कि कार्यशाला का क्रम एक लघु विराम के बाद पुनः प्रारम्भ होगा।

महामंत्री तरुणा जी ने अपनी अभिनव, आकर्षक शैली में भावनाएं व अध्ययन सत्र का अनुभव वक्तव्य किया। सभी को प्रोत्साहित किया कि ख्वाद्याय के क्रम में निरंतरता बनी रहे।

सत्र का कुशल संचालन सहमंत्री श्रीमती नीतू जी ओरतवाल ने अपनी मोहक वाणी में कलापूर्ण ढंग से किया। अर्चना जी भण्डारी ने सुन्दर बंधे हुए शब्दों में सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। सह प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सोनम जी बागेचा का तकनीकी सहयोग सराहनीय रहा।

ब्रह्म-बेला जप-अनुष्ठान, अमृत-बेला में अमृत-पान

एक और अभिनव उपक्रम की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगी।

दोपहर के सत्र के साथ ही साथ हमने प्रतिदिन ब्रह्म बेला में सामूहिक सामायिक का क्रम भी चलाया।

नवरात्रि की एकम से कार्तिक पूर्णिमा तक 45 दिन तक प्रातः लगभग 4:30-6:00 बजे तक प्रतिदिन अनवरत सामूहिक सामायिक का क्रम चला। लगभग 300 घरों में अमृत बेला में प्रतिदिन अमृत वर्षा का एक अद्वितीय उपक्रम रहा।

नमस्कार महामंत्र, उपसर्गहर स्तोत्र, चतुर्विंशति स्तव, शांति-स्तुति मंत्र, भक्ताभर स्तोत्र, महावीर अष्टकम, मंगल भावना, आनन्द भावना इत्यादि के जप के अनूठे आनन्द का अनुभव सभी संभागियों ने लिया।

कार्तिक दशमी, एकादशमी, द्वादशी को श्रीमद् जयाचार्य कृत मुणिद मोरा व त्रयोदशी को आचार्य तुलसी की

अनुपम कृति, जो आद्य प्रवर्तक आर्य भिक्षु के जीवन वृत्त की है अद्वितीय प्रस्तुति तेरापंथ प्रबोध के संगान से हमने रखयं को कृतार्थ अनुभव किया ।

दीपावली मध्य रात्रि अनुष्ठान

दीपावली की रात अक्सर (हर साल) जगमगा रही होती थी दीपों के साथ।

पूजा, परिजनों का आवागमन, और मिठाईयों की होती थी बरसात।

2020 का साल रहा हर दृष्टि से विशेष,

आपदाओं की मेहर रही भारी ,

आत्मचिंतन का भी बना नया परिवेश ।

2020 की दीपावली की रात

चौबीसवें तीर्थकर के परिनिर्वाण की रात

श्री वीर-वर्घ्नमान के मोक्ष कल्याणक की रात

अ.भा.ते.म.म के सौजन्य से बनी अनुपम सौगात

तरुणा जी का उद्भोधन सभी मण्डल के गणमान्य की उपस्थिति भी साथ ।

पहली बार जीवन में ऐसी अद्भुत दीपावली हमने मनाई

अध्यात्म की रोशनी थी जहां छाई

महावीर के नाम की अखण्ड ज्योत हमने जलाई॥

हर साल परिवार व परिजनों की 10-20-30 की उपस्थिति में मनने वाली दीपावली,

2020 के विषमतम काल में हमने लगभग 800 परिवारों ने सामूहिक मनाली !

निर्जरा (जप) की निर्मल गंगा में निज आत्मा को धोली

अमित जी सिंधी ने सुमधुर कुछ भजन गाए

महावीर-मय हम सब बन पाए

कण कण में भक्ति-रस सरसाए

हो तन्मय सामूहिक जप अनुष्ठान से

दीपावली का अभिनव, अपूर्व, अविरस्मरणीय, आनन्दपूर्ण अनुष्ठान का अनुभव घर बैठे ही,

पूरे परिवार के साथ कर रखयं को कृतार्थ कर पाए ॥

14 नवम्बर 2020

मध्यरात्रि जप अनुष्ठान

11-11:45 महावीर भजन

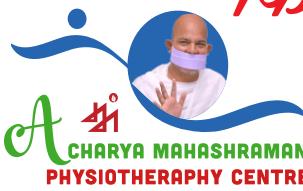
11:45-12 महावीर रखामी केवल ज्ञानी, गौतम रखामी चवन्हाणी 108 बार

उँ हीं सकल कार्य सिद्धिकराय श्री वर्धमानाय नमः 108 बार

12-12:15 महावीर रखामी पहुंच्या निर्वाण, गौतम पाम्या केवल ज्ञान 108 बार

उँ हीं सकल कार्य सिद्धिकराय श्री गौतमरखामिने नमः 108 बार

भक्तामर अध्ययन कार्यशाला, ब्रह्म मुहुर्त सामायिक साधना व महावीर परिनिर्वाण मध्य रात्रि जप अनुष्ठान की संयोजिका प्रशिक्षिका थी श्रीमती शिल्पा बैद्ध, दिल्ली।



फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन

गुलाबबाग - अखिल

भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
के निर्देशानुसार गुलाब बाग

तेरापंथ महिला मंडल MAX-7 द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का भव्य उद्घाटन पूर्णिया चेयरमैन डॉक्टर पीसी झा, सिविल सर्जन डॉक्टर उमेश कुमार आड.एम., डॉ मुकेश कुमार एवं निर्देशक मैक्स 7 के प्रकाश जी नौलखा द्वारा शुभारंभ किया गया। इस फिजियोथेरेपी सेंटर के माध्यम से सभी प्रकार के जोड़ों का दर्द एवं अन्य दर्द का निवारण किया जाएगा। डॉक्टर आई

एम मुकेश कुमार ने ते.म.मं गुलाबबाग के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा ऐसे सेंटर के निर्माण से काफी जखरत मंद लोगों की सहायता होगी। ऐसे फिजियोथेरेपी सेंटर की बहुत आवश्यकता थी। इसके प्रायोजक है श्रीमती शायर देवी-हीरालाल जी मालू बेंगलुरु।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदरय सीमाजी बैद ने अभातेममं की इस योजना की पुरी जानकारी दी एवं गुलाबबाग महिला मंडल को इस कार्य हेतु अभातेममं की और से बधाई दी। कार्यक्रम में स्थानीय तेयुप के अध्यक्ष, मंत्री खुशकीबाग सभा एवं तेममं की अध्यक्ष, मंत्री, ज्ञानशाला के प्रभारी, तेममं गुलाबबाग अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभाजी पुगलिया एवं मंत्री श्रीमती सीमा विनायकिया, उपासिका प्रवक्ता बहन श्रीमती संतोषजी श्रीमाल महिला मंडल की कार्यकारिणी बहनें एवं कन्या मंडल के साथ न्यूज़ चैनल एवं गुलाब बाग के लोगों की अच्छी उपस्थिति रही।

सूरत - अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रायोजित व सूरत तेरापंथ महिला मंडल के सहयोग से आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन पद्मश्री अवार्ड श्री कनुभाई टेलर द्वारा संचालित disable welfare society of India में किया गया।

विश्व विकलांग दिवस पर आज सूरत सभा के ट्रस्टी श्रीमान बालचंद जी बेताला, सभा अध्यक्ष श्रीमान किशोर जी धारीवाल व सभा मंत्री श्रीमान हरीश जी कावड़िया, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के राष्ट्रीय सह मंत्री श्रीमती मधु जी देरासरिया, महिला मंडल के परामर्शक, पूर्वाध्यक्ष व पदाधिकारी, दिव्यांग भवन के ट्रस्टी श्रीमान कनुभाई टेलर व उनकी टीम व पदाधिकारी गण की गरिमामय उपस्थिति के साथ हुआ। सूरत तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दिव्यांग भवन को एक पैड डिस्पोजल मशीन भी अनुदान में दी गई। पूर्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद व महामंत्री तरुणा जी बोहरा के द्वारा जूम मीटिंग के माध्यम से उद्घाटन विधि भी की गई थी।

जैन संस्कार विधि से आध्यात्मिकता पूर्ण माहौल में मंत्रोच्चारण के साथ संस्कारक श्रीमान श्री मनीष मालू व श्रीमान विनीत श्यामसुखा ने पूरी विधि संपन्न की। मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयंती जी सिंधी ने सबका स्वागत किया। राष्ट्रीय सह मंत्री श्रीमती मधु जी देरासरिया, परामर्शक श्रीमती रीटा जी परमार, सभा अध्यक्ष श्रीमान किशोर जी धारीवाल ने अपने विचार व्यक्त किए।





ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

जनवरी 2021

संदर्भ पुस्तक - धम्मो मंगलमुकिठं पृष्ठ संख्या 40 से 50
सुखी बनो पृष्ठ संख्या 33 से 48

(अ) पुस्तक के आधार पर लिए गये वाक्य में से नीचे दिए गए शब्दों में से एक बेमेल शब्द को अलग कीजिए -

1. बन्दर, चना, घड़ा, सुपारी
2. कस, खण्ड, मा, खण्ड
3. स्थितप्रज्ञ, मोह, मुक्त, रागद्वेष
4. निमित्तो, तन, साधक, हन्दियों
5. जैन वाङ्मय, ओवाह्यं, आगम, भगवती
6. परिव्वयंतो, अप्पा, सभाएं, पेहाए
7. कला, परित्याग, छोटे, प्रेम
8. कनक, गुरुदेव तुलसी, लाडनू, शिकायत
9. गैस, कोलेरस्ट्रोल, चिकित्सा जगत, एच.डी.एल.
10. खब्बन, र्वाध्याय, गोचरी, विकलांग
11. राग, प्यार, मनोज्ञरूप, सामने
12. क्रोध, प्रियता, अप्रियता, अभ्यास

(ब) एक शब्द में उत्तर बताएं -

1. यौवन में भेरे-पूरे सम्पन्न परिवार को छोड़ साधुत्व स्वीकार किया -
2. धर्म क्रान्ति की -
3. दासी बनी हुई राजकुमारी के हाथ से भिक्षा लेने का संकल्प किया -
4. सूक्ष्म शरीर है, तेजोजय है -
5. एक पाश्वर्व में लेटकर कायोत्सर्ग करना -
6. निर्जरा के बारह भेदों में तीसरा भेद -
7. अध्यात्म जगत का मौलिक तत्व है -
8. अध्यात्म साधना का प्रयोग कर रहा था -
9. एक शक्ति है -
10. पाप का साधन है -

नोट : • प्रश्नों के उत्तर Google Form के द्वारा भेजने रहेंगे। अंतिम तिथि 25 जनवरी है।
• Google Form की Link आपको Team Group में प्रेषित कर दी जायेगी।
• सभी शाखा के अध्यक्ष/मंत्री से अनुरोध है कि Link अपनी शाखा के सदस्यों तक पहुँचाये।
• प्रश्नोत्तरी में संभागी बहिनों से अनुरोध है कि Link के लिए अपने अध्यक्ष/मंत्री से सम्पर्क करें।
• अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें -

श्रीमती मधु देरासरिया, सूरत

मो. : 9427133069 E-mail : madhujain312@gmail.com

दिसम्बर माह के उत्तर ▼

(अ) मुहूर्षे पहचानो -

- | | | | |
|----------------|--------------|-------------|--------------|
| 1. पुण्य | 2. आलसी | 3. समता | 4. पूछना |
| 5. ज्ञानावरण | 6. अपराजिता | 7. विनोबाजी | 8. भय |
| 9. छत्राकार | 10. रत्नजड़ी | 11. ढलढल | 12. सत्य-शोध |
| 13. प्रायोपगमन | 14. अल्पमान | 15. त्याग | 16. काम |
| 17. आराधना | 18. मोह | 19. मद | 20. विरक्ति |
| 21. नंदनवन | | | |

अक्टूबर माह के भाग्यशाली विजेता ▼

नवम्बर माह में कुल 2071 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।

- | | |
|---|---|
| 1. श्रीमती कल्पना गोलेछा-राजराजेश्वरी नगर, बैंगलुरु | 6. श्रीमती रनेहलता बोरदिया - गुलाबबाग |
| 2. श्रीमती आयुषी भटेवरा - ब्यावर | 7. श्रीमती रंजीता मरोटी-फारबीसगंज, अररिया |
| 3. श्रीमती रेखा बोहरा - कोटा | 8. श्रीमती रुबी चोरडिया - गौरीपुर |
| 4. श्रीमती प्रियंका छाजेड़ - भरुच | 9. श्रीमती मंजू सिंधी - लुधियाना |
| 5. श्रीमती अर्चिका बैद - गुवाहाटी | 10. श्रीमती नीशा हिरण - पीपरीचींचवाड़, पुणे |

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

- 1,00,000 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल अहमदाबाद द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
 51,000 प्रधान द्रस्टी श्रीमती शांताजी - जतनलालजी पुगलिया, श्री झूंगरगढ़-मुंबई द्वारा सप्रेम भेंट।
 51,000 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल दिल्ली द्वारा सप्रेम भेंट।
 51,000 श्रीमती सौभाग - पञ्चालाल जी बैद, राजलदेसर-जयपुर द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
 51,000 श्रीमती शशि-मांगीलाल जी बोहरा द्वारा सुपुत्र यशवंत के 50वें जन्मदिन व यशवंत-चांदनी की 25वीं सालगिरह पर सप्रेम भेंट।
 31,000 सहमंत्री श्रीमती मधु - नरेन्द्र जी देरासरिया द्वारा सुपुत्री “क्षमा” के विवाह के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
 21,000 श्रीमान् नौरतनमलजी - जतनी देवी बोकडिया हैदराबाद-सुजानगढ़ द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
 21,000 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल औरंगाबाद द्वारा सप्रेम भेंट।
 21,000 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल जलगांव द्वारा सप्रेम भेंट।
 11,000 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल इचलकरणजी द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
 11,000 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल यिपंरी चिंचवड द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
 11,000 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल पूना द्वारा सप्रेम भेंट।
 5,100 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल अंबाजोगई द्वारा सप्रेम भेंट।
 5,100 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल सोलापुर द्वारा सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अध्यक्षीय कार्यालय : **श्रीमती पुष्पा बैद** - “पावन” बी-106/107, विद्युत नगर-बी, क्वीन्स रोड, जयपुर - 302021
 मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : **CA तरुणा बोहरा** - 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई - 400068
 मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : **श्रीमती रंजु लुणिया** - लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास,
 शिलोंग-793001 (मेघालय) मो: 9436103330, 8787645164 ईमेल Implshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : **श्रीमती गुलाब बोथरा** मो : 9462342976
 नारीलोक देखें website : www.abtmm.org